ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–56
दिनांक– मंगलवार, 29 जुलाई, 2025

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.1 एवं 28.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 82 प्रतिशत, हवा की औसत गति 11.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 2.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.5 एवं दोपहर में 33.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मैसम 54.1 मि0मी0 वर्षा हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(30 जुलाई– 3 अगस्त, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 30 जुलाई–3 अगस्त, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधी में उत्तर बिहार के अनेक स्थानों पर हलकी से मध्यम वर्षा के साथ कही – कही गरज के साथ बिजली गिरने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–35 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 27–28 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 65 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अगले दो दिनों तक औसतन 8 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा उसके बाद पछिया हवा चलने का अनुमान है।

• समसामयिक सुझाव

- विगत पूर्वानुमान की अवधी में उतर बिहार में अनेक स्थानों पर मध्यम वर्षा हुई है। मौसम पूर्वानुमान की अवधि में बर्षा की संभावना को देखते हुए धान की रोपाई कृषक बंधु यथाशीघ्र समाप्त करने का प्रयास करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्रम प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के 2–3 दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (3 लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (1.5 लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (3 लीटर दवा प्रति हेक्टर) का 500–600 लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से0मी0 पानी की उपस्थति रहनी चाहिए।
- धान की फसल जो 20–25 दिन की हो गई हो, उसमें प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेशन करें। अगात बोई गई धान की फसल में तना छेदक कीट की निगरानी करें।
- खरीफ मक्का की फसल में कीट–व्याधियों एवं फफूंदी धब्बों की निगरानी करतें रहें। कीट अथवा रोग की उपस्थिती में उपचार हेतु अनुशंसित दवा का छिड़काव करे।
- उचॅास जमीन में अरहर की बुआई यथाशीघ्र समाप्त कर लें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 20 किलो नेत्रजन, 45 किलो स्फुर एवं 20 किलो पोटाश तथा 20 किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा 9, नरेद्र अरहर 1, मालवीय–13, राजेन्द्र अरहर–1 आदि किस्में बुआई के लिए अनुशंसित है। बुआई के 24 घंटे पूर्व 2.5 ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए। पक्ति से पक्ति की दूरी 60 से0मी0 रखें । बीज दर 18 से 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें।
- मिर्च का बीज उथली क्यारियों मे गिराये। इसके लिए उन्नत प्रभेद पंत मिर्च–3, कृष्णा, अर्का लोहित, पूसा ज्वाला, पूसा सदाबहार, पंजाब लाल, काशी अनमोल तथा संकर किस्में अग्नि रेखा, कल्याणपुर चमन, कल्याणपुर चमत्कार, बी0एस0एस0–267 अनुशंसित है। बीज को गिराने से पूर्व थीरम 75 प्रतिशत दवा से बीजोपचार करें।
- पिछले माह बोयी गई साग–सब्जियों की निकाई–गुराई करें। सब्जियों की नर्सरी में लाही, सफेद मक्खी व चूसक कीड़ों की निगरानी करें। ये कीट विषाणु जनित रोग फैलाते है। इन कीट का प्रकोप दिखाई देने पर बचाव के लिए इमिडाक्लोरोप्रिड दवा का 0.3 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- बैगन की फसल में तना एवं फल छेदक कीट की शुरुवाती रोक–थाम के लिए बैगन की रोपाई के 10 दिनों बाद 1 ग्राम फ्युराडान 3 जी0 दानेदार दवा प्रति पौधा की दर से जड़ के पास मिट्टी में मिला दें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 25.0 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी